भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2741
उत्तर देने की तारीख 19.12.2024

झारखंड की जनजातीय कलाओं का संरक्षण

2741. **श्रीमती महुआ माजी :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या झारखंड की लोक कलाओं एवं जनजातीय कलाकारों के लिए जनजातीय एवं लोक कला संवर्धन एवं संरक्षण योजना के अंतर्गत कोई विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इन कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) जनजातीय एवं लोक कला संवर्धन एवं संरक्षण योजना के अंतर्गत झारखंड के कितने जनजातीय कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): भारत सरकार ने झारखंड सहित अपने सदस्य राज्यों की लोक/जनजातीय कलाओं के विभिन्न रूपों को संवर्धित, संरक्षित और परिरक्षित करने के लिए पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र (ईजेडसीसी), कोलकाता की स्थापना की है। ईजेडसीसी, झारखण्ड सहित अपने सदस्य राज्यों में नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसके लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है। ईजेडसीसी उनके द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों/कार्यकलापों में लोक/जनजातीय कलाकारों को शामिल किया जाता है जो उनमें अपनी प्रतिभाएं प्रदर्शित करते हैं। इन कलाकारों को मानदेय, यात्रा

भत्ता/दैनिक भत्ता, भोजन और आवास आदि के लिए भुगतान किया जाता है जिससे वे अपना जीविकोपार्जन करने में सक्षम होते हैं।

वर्ष 2023 और 2024 के दौरान झारखंड में ईजेडसीसी, कोलकाता द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम/कार्यकलाप निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**तारीख**	**स्थान**
1.	लोक महोत्सव	3-4 सितंबर, 2023	रशिक नगर, ग्राम पंचायत ग्राउंड, पूर्वी सिंहभूम, झारखण्ड
2.	अमृत कलश यात्रा	28 सितंबर से 13 अक्तूबर, 2023	झारखण्ड में (100 स्थानों पर)
3.	सारंगी वादन- लोक संगीत	अप्रैल, 2023- मार्च, 2024	रांची, झारखंड
4.	शिकारी नृत्य – लोक नृत्य	अप्रैल 2023 – मार्च 2024	सरायकेला खरसावां झारखण्ड
5.	पलामु जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव	25 और 26 जुलाई, 2024	मनिका हाई स्कूल परिसर, मनिका, झारखंड
6.	कोलाहन लोक नृत्य महोत्सव 2024	28 और 29 जुलाई, 2024	कला और संस्कृति भवन, हरिगुतु टोंगरी, चइबासा, झारखंड
7.	लुप्तप्राय और संकटापन्न लोक कला महोत्सव	14 अक्तूबर, 2024	सी एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कानके, रांची, झारखंड
8.	छऊ महोत्सव-2024	18-19 अक्तूबर, 2024	छऊ सभागार खरसावां, झारखंड
9.	लुप्तप्राय और संकटापन्न लोक कला महोत्सव	25 अक्तूबर, 2024	सी एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, कानके, रांची, झारखंड
10.	लुप्तप्राय और संकटापन्न लोक कला महोत्सव	19 नवम्बर, 2024	एस. पी. जी. मिशन गर्ल्स हाई स्कूल, चइबासा, झारखंड
11.	लुप्तप्राय और संकटापन्न लोक कला महोत्सव	30 नवम्बर, 2024	डिस्ट्रिक्ट सी एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका, झारखंड

संस्कृति मंत्रालय के तहत संगीत नाटक अकादमी (एसएनए) ने भारत की मंच कलाओं के प्रचार, प्रसार और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए 2018 में झारखंड के बोकारो जिले के चंदनकियारी में 'संगीत नाटक अकादमी का छऊ केंद्र' स्थापित किया है।

एसएनए ने झारखंड के दुर्लभ कला रूपों पर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं:

- ढोल, ढाक, मांदर, नगाड़ा (संगीत वाद्ययंत्र बनाना), गुरु श्री सकराति नायक, झारखंड
- सरायकेला छऊ, गुरु श्री मलय साहू सरायकेला, झारखंड
- सरायकेला छऊ, गुरु श्रीमती कुसमी पट्टनायक सरायकेला, झारखंड
- मानभूम छऊ, गुरु श्री रामचंद महतो अंधरतेलिया, बोकारो, झारखंड
- सरायकेला छऊ मुखौटा निर्माण, गुरु श्री सुशांत कुमार महापात्र सरायकेला, झारखंड

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) हेतु सहायता" नामक केन्द्र सरकार की प्रायोजित स्कीम के माध्यम से राज्य सरकारों को सहायता प्रदान की जाती है ताकि इन संस्थाओं को उनकी अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं, अनुसंधान एवं प्रलेखन कार्यकलापों, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, जनजातीय संस्कृति से जुड़ी प्रथाओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों को परिरक्षित और प्रसारित करने हेतु अनोखी सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए जनजातीय महोत्सवों, यात्राओं के आयोजन के संबंध में सुदृढ़ बनाया जा सके।

टीआरआई, झारखंड ने झारखंड में निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया है, जिनका ब्यौरा इस प्रकार है :

क्र. सं.	कार्यशाला का नाम	तारीख
i.	राष्ट्रीय जनजातीय चित्रकार कार्यशाला	10-15 फरवरी, 2020
ii.	राष्ट्रीय जनजातीय चित्रकार कार्यशाला	28 जनवरी से 2 फरवरी, 2023
iii.	आदिवासी महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय जनजातीय कार्यशाला	9-16 अगस्त, 2023
iv.	आदिवासी महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय जनजातीय कार्यशाला	5-10 अगस्त, 2024

(ग): ईजेडसीसी, कोलकाता द्वारा झारखंड के लगभग 3220 जनजातीय कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने झारखंड में आयोजित चार राष्ट्रीय जनजातीय कार्यशालाओं में भाग लेने वाले झारखंड के 115 जनजातीय कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की है।

****